

**सुतिन्** (अ सुत s. इन्) filio, *vel* filiis, *vel* liberis praeditus.  
HIT. 4.20.

**सुदृष्ट** (कार्म. e सु facile et दृष्ट visus, conspectus, aspectus)  
facile aspectu. **सुदृष्टङ् कर्तुम्** facile *vel* sine ullo impe-  
dimento intueri *alq.* SU. 4.24.: तेजसाच सुदृष्टं त्वा-  
न करिष्यति कश्चन; R. Schl. I. 17.23.: सुदृष्टाङ् कुरुत  
शान्ताम्.

**सुधा** f. (e सु et धा a r. धे bibere) nectar. UR. 39.4.

**सुधी** (bonum intellectum habens, बाह. e सु et धी)  
intellectu praeditus, sapiens. HIT. 5.6.71.3.

**सुन्दर** (fem. आ et रु) pulcher. N. 1.14.

**सुपर्ण** m. (बाह. e सु e पर्ण quod hac in compos. plumam  
significare videtur) i. q. गरुड़.

**सुप्त** v. स्वप्.

**सुभ्, सुम्भ्** 1. p. i. q. सिभ्, सिम्भ्.

**सुभग** (बाह. e सु et भग felicitas) 1) felix, pulcher, praeclara-  
rus, *praesertim de feminis, in Vocat.* IN. 5.37. DR. 2.12.  
2) jucundus. SAK. 2.14.45.6.

**सुभाषित** (bonum vel pulchrum sermonem habens  
e सु et भाषित n. dictum, sermo) eloquens, facundus. N.  
8.4.

**सुभ्रु** Adj. (e सु et भ्रु pro भ्रु supercilium) pulchra superci-  
lia habens. SU. 4.12.

**सुमनस्** m.f.n. (Femin. nonnisi in Plurali usurpatur, बाह.  
e सु et मनस् mens) flos. SA. 1.26.

**सुयोधन** m. (e सु et योधन a r. युध् pugnare s. अन) cog-  
nomen *Duryodhani*. H. 4.58.

**सुर** 6. p. (ऐश्वर्यदीस्योः क. भैश्ययोः v.; correptum esse vi-  
detur e स्वर्, vid. स्वर् coelum) 1) splendere. 2) do-  
minari. (Vid. स्वर् et cf. heb. *solas* «light, a lamp».)

**सुर** m. (r. सुर् splendere s. अ, sicut देव a दिव् splendere  
deus. H. 4.27.

**सुरकामुक** n. (e सुर et कामुक arcus) arcus coelestis.

**सुरगर्भा** Adj. (e सुरगर्भ - सुर deus et गर्भ proles, natus -  
et अर्था similitudo) diis natorum similitudinem habens.  
H. 4.27.

**सुरभि** (ut videtur, e सु et रभि a r. रम् quod primitive ca-  
pere significare videtur) 1) Adj. bene odoratus. 2) Subst.  
f. nomen vaccae fabulosae, vaccae ubertatis, quae boum  
generis mater primitiva esse dicitur.

**सुरवीथी** f. (e सुर et वीथी via) deorum via. IN. 2.12.

**सुरा** f. potus fervidus, potus inebrians *in universum*. SU. 4.  
14.

**सुवर्चसि** (बाह. e सु et वर्चसि - r. वर्चस् ग्रस् - i. q. वर्चस्)  
pulchrum splendorem habens. SA. 5.38.

**सुवर्ण** n. (pulchrum colorem habens e सु et वर्ण color) aurum. N. 7.9.

**सुवीर** m. (e सु et वीर heros) nomen populi. DR. 8.9.

**सुषु** Adu. (e सु et स्यु, quod simplex non occurrit, a r. स्या,  
mutato स्यु in शु, v. gr. 80., suff. तु, vel debilitato अ in  
उ) recte, juste. UR. 64.6. HIT. 73.21.

**सुहृ** 4. p. (तृतीया शक्तौ) gaudere, posse. Cf. सह.

**सुहृद्** m. (bonum cor habens बाह. e सु et हृद् cor)  
amicus. IN. 4.11. BR. 2.26.

1. **सू** 2. 4. et 4. 4. सुके, सूये; part. pass. सूत et सून्. 1) pa-  
reere, partum edere, c. ablat. patris. MAN. 10.39.:  
निषादस्त्री तु चण्डालात् पुत्रम् ... सूते; RAGH. 3.13.:  
असूत पुत्रम्; MAH. 1.2599.: असूयत ... अश्विनावृत्त-  
मौ; H. 1.34.: इन्द्राच्च वाताच्च सुषुवे या सुतान् इ-  
मान्. 2) Cl. 2. 4. gignere, generare, *de patre*. MAN.  
10.34.: निषादो मार्गिं सूते; 10.32. (Vid. 1. सु et सून्.)  
c. प्र 1) parere, partum edere. MAH. 3.13057.: कन्या प्र-  
सूयते. — प्रसूता quae peperit. HIT. 72.14.: सा तत्रै  
'व प्रसूता. — Pass. nasci, c. abl. patris. MAN. 10.36.:  
कारावरो निषादात् ... प्रसूयते (quod etiam ad सु re-  
ferri posset). 2) procreare, gignere, *de patre*, c. loc. ma-  
tris. MAN. 10.30.: शूद्रो ब्राह्मणां वाक्यज्ञन्तुम्.  
प्रसूयते. — Absolut. MAH. 1.2502.: अस्याम् एव प्रसू-  
यध्म्; BH. 3.10.: प्रस्तविष्यध्म् (vid. gr. min. ed. 2.  
§. 440<sup>b</sup>). — प्रसूत qui genuit. MAN. 3.19. — Pass.  
procreari, gigni. MAH. 3.12500.: तिर्यग्योनौ प्रसूयते.  
— प्रसूत procreatus, progenitus. NAL. 20.37.: मत्प्र-  
सूतम् भयम्; A. 3.36.: मत्प्रसूतेन तेजसा.